

असाधार्**ण** EXTRAORDINARS

भाग II—वण्ड 3—उप-वण्डे (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 496] No.476] न**ई वि**ल्ली, बृहस्पतिबार, अगस्त 10 1989/श्रावण 19, 1911 NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 10, 1989/SRAVANA 19, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या को जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को इत्य धी रका आ मको

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 10 धगस्य, 1989

का. आ. 629(अ):--केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लीकहित में ऐसा करना श्रावण्यक श्रौर समीचीन है;

श्रम, भ्रतः केन्द्रीय सरकार, एकःधिकार तथा भ्रवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 के नियम 4-क के उपनियम (5) द्वारा प्रदत्त सकितयों का प्रयोग करने हुए और केन्द्रीय सरकार के नत्कालीन विधि और न्याय भौर कंपनी कार्य मंत्रालय, कंपनी कार्य निभाग की प्रधिसूचन। सं. का. मा. 567 (भ) तारीख 17-7-81 को प्रधिकांत करते हुए निम्नलिखित से संबंधित किसी प्रस्तान की बाबत उक्त नियम के उपनियम (1) में निर्दिष्ट साधारण सूचना के प्रकाशन को प्रभिमुक्त करती है:—

- (क) समय-समय पर यथा मंत्रोधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के संकल्प सं. 8(15)/78-एल पी, तारीख 31-12-80 में यथा परिभाषित भात प्रतिशत् निर्यानोत्मुखी उपक्रम की स्थापनी या उसका पर्याप्त थिम्तार; और
- (ख) ऐसे किसी उपक्रम की जो एकमात्र रूप से व्यापार में लगा है भौर जिसका ब्रावर्त भार्त्यातक रूप से भारत से बाहर निर्यात के निर्ण ब्राशियत है, स्थापना या उसका पर्याप्त विस्तार।

[फा. सं. 5/26/89-एम I] एल. सी. गोशन, उप सन्तिय

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

## NOTIFICATION

New Uelhi, the 10th August, 1989

S.O. 629 (E) .—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of rule 4-A of the Monopolics and Restrictive Trade Practices Rules, 1970 and in supersession of the notification of the Central Government [No. S.O. 567(E) dated 17-7-81] in the then Ministry of Law, Justice & Company Affairs, Department of Company Affairs, the Central Government hereby dispenses with the publication of the general notice referred to in sub-rule (1) of the said rule in respect of any proposal relating to —

- (a) the establishment or substantial expansion of hundred per cent Export Oriented Undertaking as defined in the resolution of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 8 (15) [78-LP, dated \$1-12-80 as amended from time to time; and
- (b) the establishment or substantial expansion of an undertaking which is solely engaged in trading and whose turnover is meant exclusively for export outside India.

[F. No. 5|26|89-M.II L. C. GOYAL, Dy. Secy: